





|      | K | 0 | C | Т | Я | П | 0 | Γ | 0 | Д | И | Н |  |  |
|------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
| <br> |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
|      |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
|      |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |







|  | К | 0 | С | T | Я |   | П | O | Г | O | Д | И | Н |  |  |
|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
|  |   |   | M | И | Ш | Α |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
|  |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |
|  |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |  |  |



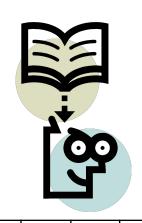




| BO | Л | ∣Ш | E | Б | <b>H</b> | И | Ц | A |   |   |   |   |   |  |  |
|----|---|----|---|---|----------|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
|    | Ι |    |   |   | Ш        |   |   | _ |   |   |   |   |   |  |  |
|    | К | Ο  |   |   |          |   | П | O | Γ | O | Д | И | Н |  |  |









|   |   | К | 0 | С | Т | Я |   | П | O | Г | O | Д | И | Н |   |   |   |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
|   |   |   |   | M | И | Ш | Α |   |   |   |   |   |   |   |   |   |   |
| В | 0 | Л | Ш | Е | Б | Н | И | Ц | Α |   |   |   |   |   |   |   |   |
|   |   | M | И | X | A | И | Л |   | П | 0 | T | A | П | 0 | В | И | Ч |











К Ο ΓΟ |Д|И|Н 0 МИШШ a Ш H и ца B M x a B П OT a



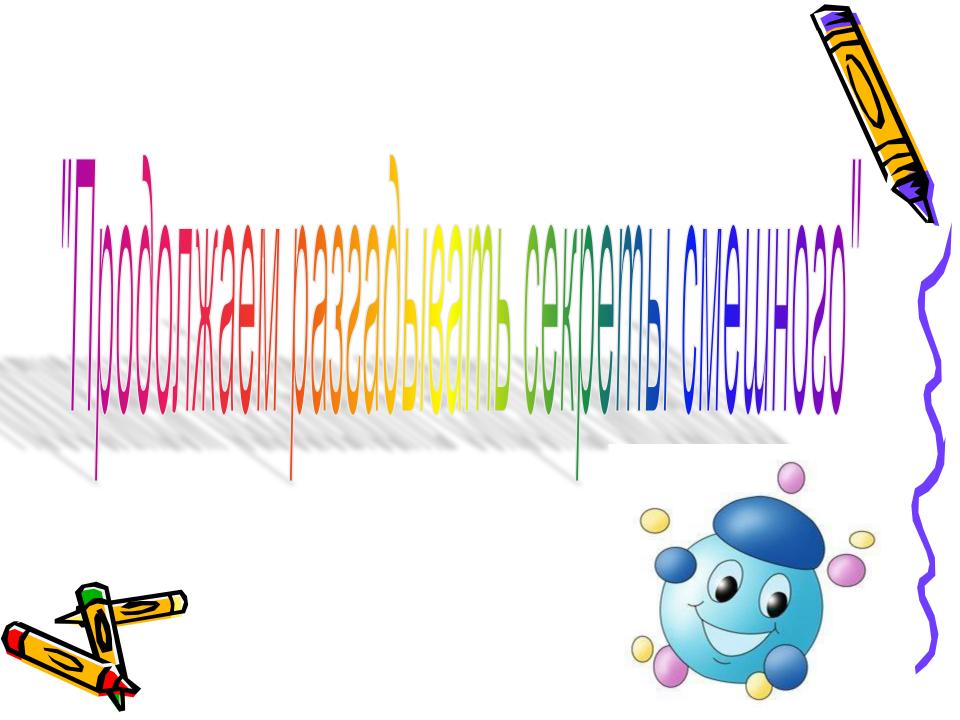






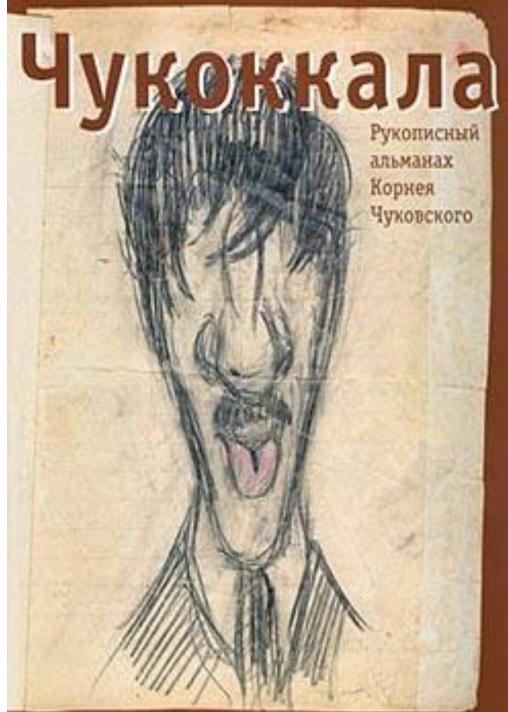




















XO-XO-XO

## Сказала со смехом соседке синица:

«Стать самой скрипучей сорока стремится!»



## ДЖАЗ

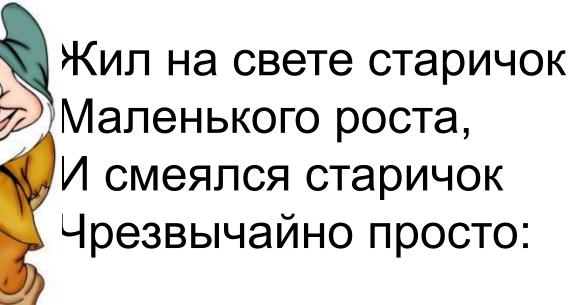


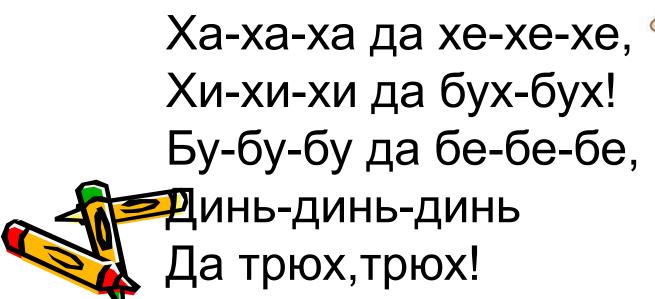
Проказница-Мартышка, Осёл, Козёл, Да косолапый Мишка Затеяли сыграть Квартет. Достали нот, баса, альта, Две скрипки И сели на лужок под липки, -Пленять своим искусством свет.

«Чтоб музыкантом быть, Так надобно уменье И уши ваших понежней, -Им отвечает Соловей, -«А вы, друзья, как ни Садитесь, Всё в музыканты не Годитесь»

# ЗВЕРИНЫЙ ДЖАЗ









### Секрет смешного:





